जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

हमारा वतन

ہمارا وطن ہفت روزہ

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 62 | अंक-43 | जयपुर, सोमवार, 16 नवम्बर, 2026 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

संस्कार टेलीफिल्म्स पर 18 नवम्बर को रिलीज़ होगी शॉर्ट फिल्म पिता

जयपुर (हमारा वतन)

कला, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित शॉर्ट फिल्म पिता का पोस्ट प्रोडक्शन कम्पलीट हो चुका है। यह शॉर्ट फिल्म बुधवार 18 नवम्बर 2026 को शाम 5:15 बजे यूट्यूब चैनल संस्कार टेलीफिल्म्स पर रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग जयपुर की विभिन्न लोकेशंस पर की गई है।

फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि फिल्म में एक पिता के उस अनछुए पहलू को बारीकी से दिखाया गया है, जो बाहर से कठोर और सख्त नजर आते हैं, लेकिन अंदर से उतने ही कोमल और अपने बच्चों के लिए बेहद स्नेही होते हैं। इसके साथ ही फिल्म का दूसरा अहम पहलू यह भी उजागर करता है कि जिनके सिर से पिता का साया उठ जाता है, वे ही वास्तव में पिता के निःस्वार्थ प्यार और उनकी अहमियत को सबसे गहराई से समझ पाते हैं। पारिवारिक ताने-बाने पर बनी यह फिल्म दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।

इस शॉर्ट फिल्म में राजस्थानी फिल्मों के महानायक उग्रसेन तंवर, जया पांडे, अभिनव शर्मा और मुकेश पीपलीवाल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। एडिटिंग रजनीश सैनी की है। जयांजलि प्रोडक्शन का शूटिंग में विशेष सहयोग रहा है। हाल ही में पत्रकार और फिल्ममेकर राम गोपाल सैनी द्वारा निर्देशित शॉर्ट फिल्म गलती किसकी 19 वें जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल -2027 के लिए नॉमिनेट हुई है। वहीं शॉर्ट फिल्म गलती किसकी को एसआरके फिल्म प्रोडक्शन्स द्वारा बेस्ट शोर्ट फिल्म 2026 का अवार्ड, इंटरनेशनल टैगोर फिल्म अवार्ड 2026 में 11 केटेगरी में, पुरी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल-2026 में 9 केटेगरी में, 5वें



पंजाब इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल-2026 में 9 केटेगरी में, इंडो-जापान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल-2026 में 9 केटेगरी में, लंदन इंटरनेशनल सिने अवार्ड्स -2026 में 9 केटेगरी में, 8वें श्रीलंका इंटरनेशनल ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल -2026 में 10 केटेगरी में अवार्ड मिले हैं और दूरियाँ शॉर्ट फिल्म को साउथ इंडियन फिल्म फेस्टिवल अवार्ड 2026 में 9 केटेगरी में अवार्ड मिले हैं। जानकारी के लिए आपको बता दें कि इससे पहले भी संस्कार सृजन संस्था द्वारा निर्मित अनमोल जीवन, अपमान, सच्ची आज़ादी, राखी, दूरियाँ, गलती किसकी और दिये का सच जैसी शॉर्ट फिल्म संस्कार टेलीफिल्म्स यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो चुकी हैं, जिसे दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। चैनल आगे भी सामाजिक सन्देश देने वाली शॉर्ट फिल्मों का निर्माण कर नए कलाकारों को मौका देता रहेगा।



राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिझौली में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

बिझौली (हमारा वतन)। स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिझौली में बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की विभिन्न बाल प्रतिभाओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अशोक पाल सिंह के नेतृत्व में विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण एवं नशा मुक्त मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाया गया। इसके माध्यम से छात्र-छात्राओं और उपस्थित लोगों को पर्यावरण को स्वच्छ रखने, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण के साथ-साथ निष्पक्ष एवं जागरूक मतदान के महत्व के प्रति प्रेरित किया गया।

समारोह में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक सुधीर सैनी सहित कृष्णा, इनसान, रितिक, लव्विस, अलतमश, शादिक, सोनम, सभा, आशिया, जिकरा, निशा और पायस आदि छात्र-छात्राओं व गणमान्य जनों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पर्यावरण रक्षा और नशा मुक्ति का संकल्प लिया।

महंत बालमुकुंदाचार्य ने किया सामूहिक विवाह के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (हमारा वतन)। हाथोज धाम दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर प्रांगण में जयपुर हवामहल विधानसभा से भाजपा विधायक एवं हिंदू धर्म गौरव स्वामी बालमुकुंदाचार्य ने सर्व समाज सामूहिक विवाह के पोस्टर का विमोचन किया। ये सामूहिक विवाह दिनांक 7 दिसंबर को जन उपयोगी भवन, जवाहर नगर, सेक्टर 3, जयपुर में सामनों होने जा रहा है। सामूहिक विवाह संयोजक एवं ब्राह्मण महिला परिषद की प्रदेश अध्यक्ष एवं सुफल फाउंडेशन की डायरेक्टर अरुणा गौड़ ने बताया कि इस विवाह में सभी जातियों के 7 से 9 जोड़े शामिल होंगे।



इस अवसर पर प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट गीता शर्मा, उपाध्यक्ष वीणा शर्मा, महामंत्री कृष्णा श्रृंगी, हेमलता शर्मा। अरुणा शर्मा, विकास शर्मा, प्रेमलता उपाध्याय और अन्य उपस्थित रहे।

विवाह संयोजक ने बताया कि 7 दिसंबर की प्रातः 9 बजे से वैवाहिक समारोह प्रारंभ होगा। जिसके प्रारंभ में सभी आगंतुक 500 बारातियों और आयोजकों को जलेबी मिक्स पकौड़ी का नाश्ता परोसा जाएगा। तत्पश्चात दूल्हा दुल्हन को वैवाहिक पोशाक और ज्वेलरी व पोशाक पहनाई जाएगी।11 बजे की तोरण और वरमाला होगी और उसके बाद अलग अलग जोड़ों के फेरे, कन्यादान आदि कार्य पुरोहितों के मंत्रोच्चारण द्वारा हिंदू वैदिक रीति से करवाए जायेंगे। इस अवसर पर आगंतुक विशिष्ट अतिथियों द्वारा विवाह में सहयोग करने वाली बहिनों को स्मृति चिन्ह दिलवा कर सम्मानित किया जाएगा। शाम 5 बजे जोड़ों के साथ समूह फोटोग्राफ, समूह भोजन के बाद विदाई होगी।

वैवाहिक जोड़ों के लिए ब्राह्मण महिला परिषद एवं सुफल फाउंडेशन आवश्यक सोने चांदी के जेवर, डबल बेड, गद्दे, कम्बल, मिक्सी ग्राइंडर, कुकर, ओवन, स्टील के बर्तन, सभी जोड़ों को 11, 11 साड़ियां, पेंट शर्ट, गर्म शाल, स्वेटर, पंखे, कूलर, स्टील टंकी, लेडीज पर्स, मेक बॉक्स, आर्टिफिशियल ज्वैलरी सेट, चांदी का एक एक सिक्का आदि 50 तरह के आइटम एकत्र किए गए हैं। सामूहिक विवाह के अवसर पर हाथोज धाम के महंत बालमुकुंदाचार्य विशेष रूप से उपस्थित रहकर नव वर वधु को अपना शुभाशीर्वाद प्रदान करेंगे।

जिफ 2027 की दूसरी नामांकन सूची में 35 देशों की 147 फिल्में और पटकथाएँ शामिल

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (जिफ) 2027 की दूसरी नामांकन सूची में देश-विदेश की विविध, चर्चित और विषयगत रूप से महत्वपूर्ण फिल्मों ने अपनी जगह बनाई है। 12 नवम्बर को जारी इस प्रारंभिक सूची में 35 देशों की कुल 147 फिल्में एवं पटकथाएँ शामिल हैं। इनमें 47 भारतीय और 100 विदेशी प्रविष्टियाँ हैं। इस सूची में 13 अलग-अलग प्रतियोगिता श्रेणियों के अंतर्गत फिल्में, पटकथाएँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से निर्मित फिल्में, वृत्तचित्र, एनिमेशन, विज्ञापन फिल्में, संगीत एवं फोटोग्राफी को शामिल किया गया है।

जिफ के संस्थापक निदेशक हनु रोज द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, इस वर्ष महोत्सव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से निर्मित फिल्मों को विशेष महत्व दिया जा रहा है। एआई फीचर फिक्शन, एआई शॉर्ट फिक्शन और एआई एनिमेशन जैसी श्रेणियाँ विश्व सिनेमा में तकनीकी नवाचार और रचनात्मकता के नए आयाम प्रस्तुत कर रही हैं। दूसरी नामांकन सूची में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन, विचारों और उनसे जुड़े रहस्यों पर आधारित राजेश गुप्ता निर्देशित 'द बोस फाइल्स- सच या साजिश' विशेष आकर्षण है। फिल्म में यतीन कार्येकर, अखिलेन्द्र मिश्रा, अपूर्वा अरोड़ा, वीरेन्द्र सक्सेना और अमित बहल जैसे जाने-माने कलाकार शामिल हैं।

इसके अलावा किरण कुमार अभिनीत 'द लास्ट कैडिडेट', हितेन तेजवानी, गौरी प्रधान और पंकज बेरी अभिनीत 'मिसाल' तथा ईशनी निर्देशक इब्राहिम अमीनी की फिल्म 'के-पॉपर', जिसमें सरेह बयात और सेतायेश देहघान प्रमुख भूमिकाओं में हैं, दर्शकों और फिल्म जगत के लिए विशेष रुचि का विषय होंगी।

वहीं राजस्थान के उभरते फिल्म मेकर राम गोपाल सैनी द्वारा निर्देशित और राजस्थानी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता उग्रसेन तंवर और जया पाण्डेय द्वारा अभिनीत फैमिली ड्रामा शोर्ट फिल्म गलती किसकी भी दर्शकों को सोचने पर मजबूर करेगी। 9वाँ जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (जिफ 2027) आगामी 8 से 12 जनवरी 2027 तक जयपुर, राजस्थान में आयोजित होगा।

6 दिसंबर को होगा अंतरराष्ट्रीय सृजनशील संगीत कलाकार सम्मान समारोह

जयपुर (हमारा वतन)। मीरा चैरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर द्वारा संचालित सेंटर फॉर पब्लिक अवेयरनेस एंड इन्फॉर्मेशन के तत्वावधान में आगामी रविवार, 6 दिसंबर 2026 को शौर्य दिवस के पावन अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सृजनशील संगीत कलाकार सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है।



यह विशिष्ट समारोह भारतीय संगीत कलाकारों की साधना, अनुभव, प्रतिभा एवं संगीत समर्पण को नमन करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से साइंस पार्क ऑडिटोरियम, शास्त्री नगर, जयपुर में संपन्न होगा।

कार्यक्रम के आयोजक आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया मीरा हॉस्पिटल एवं मीरा डेंटल हॉस्पिटल, बनी पार्क, जयपुर ने बताया कि समारोह में भारतीय संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कलाकारों का विशेष अभिनंदन किया जाएगा। इस मंच के माध्यम से कलाकारों को संगीत प्रेमियों से मिलने, प्रेरणा देने तथा अपनी साधना और संगीत यात्रा के अनुभवों को साझा करने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम के दौरान चुनिंदा प्रतिभागियों को सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया जाएगा।

दिव्यांग शंकर लाल शेरावत को पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने भेंट की स्कूटी

जयपुर (हमारा वतन)। नर सेवा ही नारायण सेवा और अंत्योदय के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने सामाजिक सरोकार की एक और अनूठी मिसाल पेश की है। शर्मा ने ग्राम हाड़ौता स्थित शेरावतों की ढाणी निवासी वरिष्ठ दिव्यांग शंकर लाल शेरावत को स्कूटी भेंट कर उन्हें आत्मनिर्भरता का संबल प्रदान किया।



कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का ग्रामवासियों द्वारा आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पश्चात शर्मा ने वरिष्ठ दिव्यांग नागरिक शंकर लाल शेरावत का माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें स्कूटी की चाबी सौंपी।

स्कूटी मिलने पर भावुक व प्रसन्नचित्त हुए दिव्यांग शंकर लाल शेरावत ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर रामलाल शर्मा ने कहा कि शंकर दिव्यांगता के कारण चलने-फिरने और अपने रोजमर्रा के दैनिक कार्यों के लिए काफी असहनीय व संघर्षपूर्ण जीवन जीने को मजबूर थे। इस संबल से अब उनका जीवन सुगम हो सकेगा और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ सकेंगे।

शर्मा ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि वरिष्ठ दिव्यांग शंकर लाल को स्कूटी भेंट करने के पश्चात उनके मुख पर जो खुशी दिखी, उससे मन को एक गहरी संतुष्टि की प्राप्ति हुई है। एक जनसेवक के तौर पर हमारा यही निरंतर प्रयास है कि हम अपने क्षेत्र के हर वंचित, शोषित और जरूरतमंद व्यक्ति के चेहरे पर एक संतुष्टिपूर्ण मुस्कान ला सकें और उनके जीवन को सरल बना सकें। हमारा यह कार्यक्रम इसी मूल भावना को समर्पित है। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति आशीष दुसाद, घासीराम सैनी, घनश्याम शेरावत सहित ग्रामवासि और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

सरपंची का परिणाम

सरपंची का परिणाम सुनते ही,
चहुँओर अजब-सा शोर हुआ,
किसी के चेहरे पर मुस्कान खिली,
कोई भीतर तक भाव-विह्वल हुआ।
जिसकी नैया पार उतरने की
उम्मीदें थीं अपार,
वही बीच मझधार में डूबी,
टूट गए सपने साकार।
आशाओं के भव्य महल ढहे,
बिखर गई पूरी तैयारी,
जीत की आस लगाए बैठी थी,
वह मंडली शोक से व्याकुल सारी।
सुबह तलक विश्वास अडिग था,
विजय का था खुमार,
साँझ ढली तो किस्मत ने बदल दिया,
पल भर में संसार।
कहीं मिठाइयाँ धरी रह गईं,
कहीं सजी पकवानों की थाली,
कहीं जश्न के नगाड़े गूँजे,
कहीं छाई खामोशी काली।
कहीं आतिशबाजी ने लिख दी,
विजय की नई कहानी,
कहीं मायूसी के सन्नाटे में,
खो गई हँसी पुरानी।
कल तक जो संग-संग चलते थे,
आज बने अनजाने,
जो जीत के दावे करते थे,
अब ढूँढ़ रहे बहाने।
किसने किसको मत सौंपा,
यह चर्चा बनी पहेली,
गाँव, गली और चौपालों में,
चलती रही अटकलों की रेली।
किसी ने मौन ओढ़ रखा है,
कोई दे रहा सफाई,
कोई हार के कारण गिनता,
कोई किस्मत को दोष लगाई।
वादों, दावों और समीकरणों का,
खेल बड़ा निराला है,
जनता के एक मत ने देखो,
कैसे रंग बदल डाला है।
अंततः लोकतंत्र के इस उत्सव ने,
एक सबक सिखलाया है,
न कोई स्थायी विजेता है,
न हार किसी की अंतिम छाया है।
कल तक जो थे प्रतिद्वंद्वी,
आज फिर गाँव के अपने हैं,
जीत-हार से ऊपर उठकर,
गाँव के हित ही सपने हैं।



महेन्द्र सिंह कटारिया
नीमकाथाना, राजस्थान

आयुष्मान आरोग्य मंदिर धोबलाई में भगवान धन्वन्तरी की मूर्ति का हुआ अनावरण

जयपुर (हमारा वतन)। आयुष्मान आरोग्य मंदिर धोबलाई (अ क्षेत्र जयपुर) में धन्वन्तरी जयंती के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुमन लता शर्मा द्वारा भगवान धन्वन्तरी की मूर्ति की स्थापना एवं अनावरण किया गया। मूर्ति स्थापना का समस्त विधिविधान एवं पूजा-अर्चना का संस्कार डॉ. पवन कुमार तिवारी द्वारा संपन्न करवाया गया।



कार्यक्रम के दौरान डॉ. संगीता शर्मा, चरण कुमार जोया, राकेश कुमार, योगेन्द्र सिंह, किशन कुमार, संगीता संबल, समस्त आशा सहयोगिनी एवं सारा प्रवीण सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री मां वैष्णो देवी मंदिर में आयोजित हुआ अन्नकूट महोत्सव

चौमूं (हमारा वतन)। शहर के सामोद रोड बाईपास पुलिया के पास स्थित श्री मां वैष्णो देवी मंदिर में धार्मिक श्रद्धा और धूमधाम के साथ अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में धर्मप्रेमियों ने माता रानी के दर्शन कर क्षेत्र में सुख, शांति और खुशहाली की कामना की।



मंदिर महंत कैलाश भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्नकूट महोत्सव के तहत सुबह माता रानी का अलौकिक एवं भव्य श्रृंगार कर आकर्षक झांकी सजाई गई। इसके साथ ही मंदिर परिसर में गोबर से गोवर्धन महाराज की सुंदर आकृति निर्मित की गई, जहां महिलाओं द्वारा पूरे विधि-विधान और रीति-रिवाज के साथ पूजा-अर्चना की गई।

पूजा-अर्चना के पश्चात माता रानी और गोवर्धन महाराज को अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया। इसके बाद मंदिर प्रांगण में विशाल पंगत प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें सभी श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों ने कतारबद्ध होकर प्रसादी ग्रहण की। पूरे दिन मंदिर परिसर माता रानी के जयकारों से गुंजायमान रहा।

इस दौरान बाबूलाल प्रजापत, रमेश सिंगोदिया, बाबूलाल रोलावण, पुष्पेंद्र सैनी, राकेश सैनी, लोकेश सैनी, राहुल सैनी, राजेश तंवर, शंकर तंवर, दिलीप सिंह, गोपाल सिंह नाथावत, रोहित सैनी, ताराचंद सैनी, रोशन सैनी, हरि चौधरी, श्री राम नवयुवक सुंदरकांड मंडल के अध्यक्ष रामकिशोर कुमावत, मंत्री प्रदीप शर्मा, कोषाध्यक्ष मालीराम जांगिड़, पप्पू सिंगोदिया, कैलाश सिंगोदिया, सुनील कटारिया, सिंगर कोमल सैनी सहित श्री मां वैष्णो देवी मंदिर के समस्त भक्त जन उपस्थित रहे।

प्रदूषण और दीपावली

क्यों नही होता प्रदूषण युद्धों,आगजनी,आतंक के उन्मादों से,
क्यों नही होती मित्रता प्रारंभ,ईर्षा घृणा के भावों को मिटाने से।
फिर क्यों ये कुछ वैमनस्यता के पुतले झूंठ से भरा कोहराम मचाते हैं,
पर्यावरण प्रदूषण के नाम का छदम आलाप लगाते हैं।
रूस यूक्रेन युद्ध में करोड़ों टन बारूदी विस्फोट किया,
इजराइल गाजा में भी लाखों टन बारूदी विध्वंस हुआ।
लेबनान,ईरान ,इराक,वियतनाम कभी हिरोशिमा,सीरिया नाघासाकी,
अफगान,आर्मीनिया अजरबेजान में फूटा बारूद
क्यों मौन हुए जाते हैं ये छदम पर्यावरण के रखवाले ,
क्या दिखते नहीं इन्हें कभी बारूदी विध्वंस मचाने वाले।
प्रतिबंध लगाना है तो युद्ध और विस्फोटों पर लगवाओ,
घृणा,नफरत,ईर्षा,वैमनस्य को जन जन के मन से हटाओ।
धर्म,प्रेम,महोब्बत, त्योहारों की आतिशबाजी को मत बंद करवाओ,
दुनिया के जन जन के दिलों में फैले प्रदूषण को हटवाओ।
आओ जग के हर कोने में रामराज्य सा स्वच्छ पर्यावरण सजाएं,
आओ इस जहां को हम सब मिलकर फिर स्वर्ग सा सुंदर बनाएं।
इंसानियत और मनुष्यता से भर दे इस संसार को हम,
प्रेम की गंगा बहती रहे दिलों में,ऐसा प्यारा संसार सजाएं।
नफरतों को करें खतम हम, प्रेम का एक नया जहां बनाएं,
दीपोत्सव पर घृणा के अंधेरे को मिटाकर प्रेम के दीप जलाएं।
स्नेह के प्रकाश की चकाचौंध कर,आओ प्रकाशोत्सव दिवाली मनाएं,
बारूद की जगह प्यार ही प्यार बरसता रहे इस धरती पर
आओ हम सब मिलकर ऐसा प्यारा सुंदर संसार सजाएं।
भारत की भू से शांति का संदेश हम पूरे जग में फैलाएं,
विश्व गुरु की फिर से हम भारतीय अपनी भूमिका निभाएं।
आओ श्री राम के आदर्शों को हम सब मिल कर अपनाए,
दीपावली महोत्सव को पूरा जग मिलकर हम सब मनाएं।



राजेन्द्र आचार्य 'राजन'
भवानीमंडी, राजस्थान

रामराज्य और कंस राज्य (आलेख)

पुराणों में दो तरह के राजाओं का वर्णन है । एक वे जो धर्म का पालन करते हैं, दूसरे वे जो धर्म का पालन नहीं करते । जो राजा धर्म के अनुसार नहीं चलते, वे सत्ता में बने रहने के लिए अपनी प्रजा पर अत्याचार करने से भी नहीं हिचकते।

कंस इसी तरह का राजा था । वह जानता था कि उसकी बहन देवकी का आठवां पुत्र उसका वध करेगा। इसलिए उसने उस शिशु को जन्म लेते ही मारने का प्रयास नहीं किया बल्कि कई अन्य कुकर्म भी किए,लेकिन असफल रहा ।

कंस की मथुरा के विपरीत राम की अयोध्या में धर्म का पालन होता था। इसलिए अयोध्या के निवासी सुखी और समृद्ध थे। राम राज्य के संदर्भ में हमें यह याद रखना होगा कि राम के पुत्र लव और कुश राजमहल में नहीं बल्कि अपनी मां के साथ वन में बड़े हुए थे। अयोध्या में आयोजित अश्वमेध का घोड़ा जब वन में उनके पास पहुंचा तो उन्होंने उसे पकड़ लिया और दावा किया कि वन का यह क्षेत्र उनका है । यानी उस पर राम का अधिकार नहीं है। इस तरह उन्होंने अपने पिता के विरुद्ध युद्ध किया ।

ऐसी ही एक कहानी महाभारत में भी मिलती है। जब पांडवों ने अश्वमेध किया तो उनका घोड़ा मणिपुर पहुंचा । वहां के राजा बभ्रूवाहन ने उसे रोककर पकड़ लिया। इसके बाद बभ्रूवाहन और अर्जुन के बीच युद्ध हुआ। उसे समय बभ्रूवाहन नहीं जानता था कि अर्जुन उसके पिता है। इन दो उदाहरणों से स्पष्ट है की रामायण और महाभारत यही नहीं सिखाती कि बच्चों को बड़ों का विवेकहीन ढंग से आदर करना चाहिए। इन महाकाव्यो में पिता और पुत्र के बीच भी युद्ध होता है। इसी तरह हम यह भी देखते हैं कि भीष्म पितामह द्रोण और मामा शल्य भी पराजित होते हैं। यह उम्र नहीं बल्कि धर्म तय करता है कि कौन विजयी होगा। कंस के उम्रदराज होने के बावजूद कृष्ण ने उनका वध किया,क्योंकि वह अधर्म कर रहा था। धर्म का तात्पर्य आत्मज्ञान के अनुरूप सांसारिक जीवन जीने से हैं। जब राजाओं पर धर्म की अवधारणा लागू होती है, तो उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे समझे कि उनके लिए प्रजा अपने परिवार से अधिक महत्वपूर्ण है। अर्थात राजधर्म, कुलधर्म से श्रेष्ठ है। भगवत गीता में भी यही सीख दी गई है। लेकिन आज इसके विपरीत हो रहा है। कुलधर्म और निष्ठा को श्रेष्ठ माना जा रहा है। जिसे समाज में पक्षपात बढ़ रहा है। युवा पीढ़ी इन कहानियों से अपने जीवन में धर्म संकट से बाहर निकलने का रास्ता सीख सकती है।



किशनगिरी गोस्वामी

सभी खादी संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी गतिविधियों की जानकारी प्रकाशित करवाने के लिए हमें जरूर भेजें !
Email-hamarawatan65@gmail.com, whatsapp-9214996258.
Khadi For Nation
खादी भारत
Khadi India
Khadi For Fashion

जॉब्स

1. इंडिया एक्सिम बैंक, पद मैनेजमेंट ट्रेनि, पद संख्या 120, अंतिम तिथि 11 दिसंबर 2026
2. द एग्रीकल्चर साइंटिस्ट रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद टेक्निकल असिस्टेंट और सीनियर टेक्निकल असिस्टेंट, पद संख्या 1393, अंतिम तिथि 17 दिसंबर 2026
3. डीएसएसएसबी, पद एमटीएस और जूनियर इंजीनियर, पद संख्या 1260, अंतिम तिथि 11 दिसंबर 2026
4. इंडियन एयर फोर्स, पद एएफसीएटी, पद संख्या अघोषित, अंतिम तिथि 11 दिसंबर 2026
5. भारतीय रेलवे दिल्ली, पद अप्रेंटिस, पद संख्या 4651, अंतिम तिथि 11 दिसंबर 2026
6. रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद मिनिस्टीरियल एंड आइसोलेटेड पोस्ट, पद संख्या 191, अंतिम तिथि 4 दिसंबर 2026
7. रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद स्टेशन मास्टर, पद संख्या 1265, अंतिम तिथि 25 नवंबर 2026
8. इंडियन बैंक, पद अप्रेंटिस, पद संख्या 1500, अंतिम तिथि 25 नवंबर 2026



शिल्पा शेट्टी के नए शो में खुलेगा रिश्तों का प्रेशर कुकर, माता-पिता करेंगे कपल्स से सीधे सवाल

आजकल रिश्तों के बीच सिचुएशनशिप, घोस्टिंग, बेंचिंग और ब्रेडक्रंबिंग जैसे शब्द आम बातचीत का हिस्सा बन गए हैं। लेकिन इन शब्दों के पीछे छिपी उलझनें कई बार रिश्तों को और मुश्किल बना देती हैं। इन्हीं उलझनों को अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी सुलझाती नजर आएंगी। वह जल्द ही कलर्स के नए शो प्यार का प्रेशर कुकर को होस्ट करने जा रही हैं। शो में आज की पीढ़ी के रिश्तों, कमिटमेंट को लेकर असमंजस और डेटिंग के बदलते तौर-तरीकों पर बात होगी। शो में ऐसे कपल्स को शामिल किया जाएगा, जो अपने



रिश्ते को लेकर किसी न किसी मोड़ पर अटके हुए हैं। कोई कमिटमेंट को लेकर फैसला नहीं कर पा रहा, तो कोई सालों से रिश्ते में होने के बावजूद उसे आगे नहीं बढ़ा पा रहा है। शिल्पा ने शो के बारे में कहा, आज के रिश्तों की भाषा पहले से काफी बदल गई है। लोग रिश्तों के लिए नए-नए शब्द इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन कई बार यह समझना मुश्किल हो जाता है कि सामने वाला आखिर चाहता क्या है। रिश्ते में एक वक्त ऐसा आता है, जब दोनों को खुलकर बात करनी पड़ती है और जरूरी सवालों के जवाब देने होते हैं। शिल्पा ने आगे कहा, इस शो का फॉर्मेट मुझे सबसे ज्यादा पसंद आया है। यह भारत का पहला ऐसा रिलेशनशिप शो है, जिसमें माता-पिता भी कपल्स को उनकी स्थिति का आईना दिखाएंगे। शो सिर्फ रिश्तों में उलझे युवाओं के लिए ही नहीं, बल्कि उनके माता-पिता के लिए भी दिलचस्प होगा। अक्सर माता-पिता अपने बच्चों के रिश्तों को लेकर कई सवाल मन में रखते हैं, लेकिन उन्हें सीधे पूछ नहीं पाते। शो में इन सवालों पर भी खुलकर बात होगी। उन्होंने कहा, शो के दौरान सभी प्रतिभागी एक ही घर में रहेंगे। यहां उन्हें उन मुद्दों पर बात करनी होगी, जिन्हें वे अब तक टालते आए हैं। माता-पिता भी इस बातचीत का हिस्सा बनेंगे और कपल्स को उनकी स्थिति समझने में मदद करेंगे। इस पूरी प्रक्रिया के बीच रिश्तों से जुड़े सच सामने आएंगे और शायद कुछ लोगों को अपने रिश्ते को लेकर वह स्पष्टता भी मिलेगी, जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार है।

जूही चावला: कयामत से कयामत तक से मिली बड़ी पहचान, जिनके इश्क ने फैंस को बनाया 'दीवाना मस्ताना'

जब बात सादगी, बेमिसाल खूबसूरती और खिलखिलाती हंसी की होती है, तो भारतीय सिनेमा में सिर्फ एक ही नाम जहन में आता है। 1984 में मिस इंडिया का ताज पहनने से लेकर कयामत से कयामत तक के जरिए करोड़ों दिलों की धड़कन बनने तक, उन्होंने हर किरदार में जान फूंकी है। यह बात हो रही है, अपनी लाजवाब कॉमिक टाइमिंग और संजीदा अभिनय से 90 के दशक पर राज करने वाली अभिनेत्री जूही चावला की। 13 नवंबर 1967 को हरियाणा के अंबाला में जन्मी जूही चावला ने अपनी पढ़ाई मुंबई में की। पिता चाहते थे कि जूही चावला बहुत पढ़े और आईएएस बने या एमबीए करे।



मां की इच्छा थी कि जूही मार्केटिंग सेक्टर में करियर बनाए। मगर स्कूल के बाद कॉलेज में पढ़ाई करते हुए ही उनकी जिंदगी में ऐसे चमत्कार हुए, जिसने उन्हें पहले मिस इंडिया और फिर एक बेहतरीन अभिनेत्री बना दिया। जूही चावला ने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरी यह कोशिश रही कि मैं जो भी काम करूं, वो थोड़ा अच्छा करूं। इसकी शुरुआत स्कूल में हुई। मेरे बड़े भाई थोड़े मस्तीखोर थे और मां उन्हें बहुत डांटती थीं। मां की डांट का असर भाई पर तो नहीं हुआ, लेकिन मैंने उसे गंभीरता से लिया। इसी का नतीजा था कि मैं स्कूल में अच्छी छात्रा बनी। जब भी परीक्षा होती थी तो पहले पढ़ाई करके जाती थी। फिल्मों में आने से पहले मिस इंडिया बनने की भी उनकी कहानी दिलचस्प है। इंटरव्यू में जूही चावला ने बताया था, मैं शायद इस बारे में नहीं सोच रही थी। कॉलेज के समय में एक कॉन्टेस्ट हुआ था, जिसमें मैंने हिस्सा लिया था। उसमें मैं अव्वल आई। उसी समय कॉलेजों में मिस इंडिया के लिए फॉर्म भरे जा रहे थे। इसमें मेरी कुछ दोस्त हिस्सा लेना चाह रही थीं और उन्हीं को देखते हुए मैंने भी हिस्सा लिया। मैंने अपनी दोस्तों को देखकर सोचा था कि अगर ये कर सकती हैं तो मैं भी कर सकती हूं।इसी मस्ती-मस्ती में एक चमकता हुआ सितारा मिल गया था और जूही चावला मिस इंडिया बन गईं।

अपेक्षा पोरवाल ने जेलर-2 में रजनीकांत के साथ अपने अनुभव को बताया सपने के सच होने जैसा

अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म जेलर 2 में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है।



उन्होंने आगे कहा, जेलर 2 में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग जितने ज्यादा बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है। फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं।



एमडीएफसी बैंक में धूमधाम से मनाया दीपावली का पर्व

जयपुर (हमारा वतन)। चौमूं शहर के कचोलिया रोड स्थित एमडीएफसी बैंक की शाखा में दीपावली का पर्व बड़े ही धूमधाम, हर्षोल्लास और उल्लासपूर्ण माहौल के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष समारोह में बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रविकांत शर्मा तथा डायरेक्टर पूनम शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं बैंक अधिकारियों के रूप में शिरकत की। समारोह के दौरान सीईओ रविकांत शर्मा और डायरेक्टर पूनम शर्मा ने बैंक के समस्त स्टाफ सदस्यों, उपस्थित ग्राहकों तथा आए हुए सम्मानित अतिथियों को दीपावली के शुभ अवसर पर विशेष उपहार भेंट किए और उनके सुख, समृद्धि एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

बैंक प्रबंधन ने बताया कि दीपावली मिलन के इस आयोजन में बड़ी संख्या में बैंक अधिकारी, कर्मचारी, बैंक के सम्मानित ग्राहक तथा शहर की कई नामचीन व जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। इस दौरान पूरा बैंक परिसर दीयों की रोशनी, रंगोली और दीपावली की शुभकामनाओं से गुंजायमान रहा।

विनायक ज्वेलर्स ने चौमूं नगर परिषद के कर्मचारियों का किया सम्मान

जयपुर (हमारा वतन)। त्योहारों के इस पावन पर्व पर सामाजिक सरोकारों को निभाते हुए चौमूं के प्रसिद्ध प्रतिष्ठान विनायक ज्वेलर्स के निदेशक पवन कुमार सोनी द्वारा चौमूं नगर परिषद के समर्पित कर्मचारियों का भव्य सम्मान किया गया।

नगर परिषद के कर्मचारियों की मेहनत को सराहते हुए प्रतिष्ठान के निदेशक पवन कुमार सोनी ने उन्हें मिठाई के डिब्बे और चांदी का आकर्षक प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद नगर परिषद के कर्मचारियों के चेहरों पर प्रसन्नता साफ झलक उठी। इस दौरान कर्मचारियों ने कहा कि एक प्रतिष्ठित व्यापारी द्वारा इस प्रकार से मान-सम्मान मिलने से उनका मनोबल और अधिक बढ़ता है तथा



वे पूरी निष्ठा से अपनी सेवाएं देते रहेंगे।

इस अवसर पर विनायक ज्वेलर्स के प्रतिष्ठान पर उपस्थित गणमान्य नागरिकों और अन्य व्यापारियों ने भी इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा सभी को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं।

विश्व मधुमेह दिवस

क्या है डायबिटीज, युवाओं में क्यों बढ़ रहे इसके मामले

मधुमेह यानी डायबिटीज ऐसी समस्या है, जो बच्चों से लेकर बड़ों तक को प्रभावित कर रही है और साल दर साल डायबिटीज के मामले बढ़ते जाते रहे हैं। मधुमेह के प्रसार को रोकने और उसके निदान के लिए हर वर्ष 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाता है। मधुमेह को लेकर जागरूकता शहरी से लेकर ग्रामीण इलाकों में दी जाती है, क्योंकि कुछ लोग इस समस्या को बीमारी नहीं मानते और कुछ लोगों को पता ही नहीं है कि वे इस बीमारी से पीड़ित हैं। सबसे पहले विश्व मधुमेह दिवस वर्ष 1991 में मनाया गया था। इसे अंतरराष्ट्रीय मधुमेह महासंघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मिलकर लोगों में मधुमेह के प्रति जागरूकता और निदान के लिए शुरू किया था। हर वर्ष देश में मधुमेह के आंकड़े बढ़ रहे हैं, और वर्ष 2025 तक विश्व भर में हर 3 में से 1 व्यक्ति को मधुमेह है और 4 में से 1 व्यक्ति को पता ही नहीं है कि वह प्रीडायबिटीज का शिकार है।



अंतरराष्ट्रीय मधुमेह महासंघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन के डेटा की मानें तो वयस्क आबादी इस बीमारी से ज्यादा प्रभावित हो रही है। ज्यादा तनाव और खराब जीवनशैली की वजह से दुनिया भर में हर 9 में से 1 वयस्क इस बीमारी का शिकार है और 40 फीसदी युवाओं को पता ही नहीं कि वे इस बीमारी से जूझ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो 2025 तक दुनिया भर में लगभग 830 मिलियन लोगों को मधुमेह है और आगे भी ये आंकड़ा बढ़ने वाला है। विश्व मधुमेह दिवस पर सबसे पहले ये जानते हैं कि मधुमेह क्या है। खाना खाने के बाद हमारा शरीर ग्लूकोज बनाता है, जो ऊर्जा देने का काम करता है, लेकिन ग्लूकोज को ऊर्जा के लिए रक्त और कोशिकाओं तक पहुंचाने के लिए इंसुलिन हार्मोन की जरूरत पड़ती है। पैंक्रियाज इंसुलिन बनाने का काम करता है, और अगर यह ठीक तरीके से इंसुलिन नहीं बनाता है, तो ग्लूकोज कोशिकाओं तक अच्छे से नहीं पहुंच पाता है और रक्त में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। इस स्थिति को मधुमेह कहते हैं। मधुमेह में टाइप 1 डायबिटीज और टाइप 2 डायबिटीज सबसे ज्यादा देखी जाती हैं। गर्भावस्था के समय भी मधुमेह की समस्या हो सकती है। टाइप 2 डायबिटीज और गर्भावस्था के दौरान होने वाले मधुमेह को समय रहते काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है, लेकिन टाइप 1 डायबिटीज एक खतरनाक स्टेज है, जिसमें पैंक्रियाज इंसुलिन बनाना बिल्कुल बंद कर देता है। इस स्थिति में किडनी, आंखों और दिल पर दबाव बना रहता है।आयुर्वेद में प्रीडायबिटीज को मधुमेह पूर्व अवस्था कहा जाता है। आयुर्वेद में प्रीडायबिटीज के नियंत्रण के उपाय बताए गए हैं और माना गया है कि जीवनशैली और खान-पान में बदलाव के साथ इस पर नियंत्रण पाया जा सकता है। प्रीडायबिटीज के नियंत्रण के लिए मेथी का पानी बहुत कारगर है। इसके लिए रात के समय एक चम्मच मेथी को एक गिलास पानी में भिगो दें। सुबह उस पानी को हल्का गुनगुना करके पी सकते हैं और कुछ मेथी के दाने चबा सकते हैं। करेले और जामुन का रस या चूर्ण भी प्रीडायबिटीज में राहत देता है।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या खाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

प्रदूषण से घुटती सांसों की चुनौती

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है। इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है।


राम गोपाल सैनी

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य का हुआ सम्मान

जयपुर (हमारा वतन)। चौमूं के बदनपुरा स्थित धार्मिक वस्त्र एवं श्रृंगार प्रतिष्ठान कान्हा श्रृंगार एवं लड्डु गोपाल पोशाक पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य का भव्य सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।



कार्यक्रम के दौरान दुकान संचालक मिथिलेश सैनी एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों द्वारा पंडित रविंद्र आचार्य का दुपट्टा ओढ़ाकर, संकटमोचन हनुमान जी का प्रतीक चिन्ह गदा तथा मिठाई भेंट कर आत्मीय स्वागत व सम्मान किया गया।

इस अवसर पर पंडित रविंद्र आचार्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं प्रगति की कामना की। आयोजन के दौरान पंडित राकेश शास्त्री, वार्ड पार्षद मनोज, मोनू जांगिड़, सुमित सैनी, अनिल सैनी, रामकिशन सैनी सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्यापारी एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

माली समाज में हुआ दीपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट महोत्सव

चौमूं (हमारा वतन)

महात्मा ज्योतिराव फुले विकास संस्थान चौमूं के तत्वावधान में सैनी समाज सभा भवन पर दीपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट महोत्सव का आयोजन संस्थान अध्यक्ष अनिल कुमार सैनी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान संरक्षक प्रहलाद सहाय अधोपिया ने सभी आगंतुकों को स्वागत किया ।

संस्थान द्वारा जूनियर, सीनियर व कॉलेज वर्ग के लिए सामान्य ज्ञान, निबंध व वाद विवाद प्रतियोगिता हेतु परीक्षा संबंधित विस्तृत जानकारी मदन लाल मालेरिया ने दी। परीक्षा 25 दिसंबर 2026 को सुबह 11 बजे से सैनी समाज सभा भवन पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा में शामिल होने वाले प्रत्येक वर्ग के प्रथम तीन छात्र छात्राओं का सम्मान 3 जनवरी 2027 को सैनी समाज सभा भवन पर दोपहर 2 बजे से होगा।

इस अवसर पर रामेश्वर प्रसाद सिंगोदिया पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि सत्र 2025-26 में X,XI बोर्ड एवं स्नातक स्नातकोत्तर में 80% व अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षा PSC, RPSC, SSC, साथ ही चयनित अध्यापकों व RJS, NEET, IIT, JEE, AIEEE, CA व खेलकूद प्रतियोगिता में चयनितों का भी सम्मान किया जाएगा। बाद में सभी समाज के लोगों ने पंगत प्रसादी का आनंद लिया।

इस अवसर पर माली विकास समिति अध्यक्ष हीरा लाल पांच्या, नगर परिषद पूर्व चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी, जयनारायण चंदेल, जिला शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार सैनी, संस्थान पूर्व अध्यक्ष अर्जुन लाल सिंगोदिया, सुवा लाल सिंगोदिया, मंत्री ओम भगत, उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार जमालपुरिया, कोषाध्यक्ष रामचंद्र तंवर, रामचंद्र फड़या सहित समाज के कई लोगों ने भाग लिया।



राजस्थान आदिम जाति सेवक संघ
14 नवम्बर, 69वें स्थापना दिवस
(वर्ष 1957-58) की हार्दिक शुभकामनाएं!

संघ के उत्पादन व बिक्री केंद्रों एवं आदिवासी छात्रावासों की सूची

1. खादी ग्रामोद्योग भंडार, झालाना डूंगरी संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर।
2. खादी ग्रामोद्योग भडार, 249, इंदिरा बाजार जयपुर।
3. खादी ग्रामोद्योग भंडार, बांसवाड़ा रोड, प्रतापगढ़।
4. खादी ग्रामोद्योग भंडार, स्टेशन रोड, चित्तौड़गढ़।
5. खादी ग्रामोद्योग भवन, हिरण मगरी, उदयपुर।
6. खादी ग्रामोद्योग मंडार, नाडाखाडा, बापू बाजार, उदयपुर।
7. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं आदिवासी छात्रावास, सुखेर उदयपुर।
8. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं आदिवासी छात्रावास, सलूम्बर, जिला- सलूम्बर ।
9. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं उत्पति केंद्र, सेमारी, जिला-सलूम्बर ।
10. खादी ग्रामोद्योग भंडार, उत्पति केंद्र एवं आदिवासी छात्रावास, चावंड, जिला- सलूम्बर ।
11. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं आदिवासी छात्रावास, ऋषभदेव, जिला-उदयपुर।
12. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं आदिवासी छात्रावास, पिंडवाड़ा, जिला-सिरोही।
13. खादी ग्रामोद्योग भंडार, उत्पति केंद्र एवं आदिवासी छात्रावास, शाहाबाद, जिला-बारां।
14. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं उत्पति केंद्र, मांगरोल, जिला- बारां ।
15. खादी ग्रामोद्योग भंडार, पीलीकोठी, बारां ।
16. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं आदिवासी छात्रावास, बूंदी।
17. खादी ग्रामोद्योग भंडार, बीकानेर।
18. खादी ग्रामोद्योग भंडार, उत्पति केंद्र एवं आदिवासी छात्रावास, बडी सादड़ी, जिला चितौड़गढ़।
19. खादी वस्त्रागार, जयपुर।
20. खादी वस्त्रागार उदयपुर।
21. ऊनी खादी वस्त्रागार, बीकानेर।
22. आदिवासी छात्रावास, नाना, जिला पाली।
23. आदिवासी छात्रावास, अरनोद, जिला-प्रतापगढ़।
24. आदिवासी छात्रावास, लालसोट, जिला-दौसा।
25 आदिवासी छात्रावास, जहाजपुर, जिला-शाहपुरा।
26. आदिवासी छात्रावास, कानोड, जिला-उदयपुर।
27. आदिवासी छात्रावास, कस्बाथाना, जिला-बारां।
28. आदिवासी छात्रावास, नाहरगढ़, जिला- बारां ।

अशोक शर्मा (अध्यक्ष)
निर्मला सहरिया (पूर्व विधायक), राजेंद्र अग्रवाल - उपाध्यक्ष
डॉ. अवध प्रसाद- कोषाध्यक्ष
शंकरलाल अहारी (पूर्व विधायक), भुवनेश शर्मा गौड़- मंत्री

पता - प्लॉट नंबर 2, झालाना डूंगरी संस्थानिक क्षेत्र, राजस्थान पत्रिका के सामने, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर - 302004
फोन : +911412703321/ फैक्स: +911412704438
E mail: adimjatijpr@yahoo.com/ Website: www.rajss.org

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फलैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।